भी माइनॉरिटी अपना रिलीजियस मैनेजमेंट और सारी व्यवस्था खुद कर सकती है। दोनों को एक साथ पढ़ें, तो आप स्वयं इस निष्कर्ष पर आ जाएंगे कि यह इल्लिगल है, असंवैधानिक है, तो आप कोई असंवैधानिक काम मत कीजिएगा। आप दोनों जगह बहुमत में हैं। वहां तो आपने बहुमत बना लिया और यहां आपको वास्तव में बहुमत प्राप्त है।

श्री सभापतिः थैंक यू, प्रोफेसर साहब।

प्रो. राम गोपाल यादवः उसका दुरुपयोग मत कीजिएगा, मेरी यही राय है। ईश्वर से डरिए, क्योंकि ये कोई आपके दुश्मन नहीं हैं। दुश्मन तो व्यक्ति का अहंकार होता है। कभी-कभी कुछ लोग उधर से ऐसे बोलते हैं - आप तो बहुत विनम्र लोग हैं - जिनके बोलचाल से ही अहंकार टपकता है। किसी का अहंकार से बड़ा दुश्मन कोई नहीं होता है और जिसको अहंकार हो जाता है, उसका नुकसान होता है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री सभापतिः थैंक यू, प्रोफेसर साहब। प्रोफेसर साहब, आपने एक बड़ी आपत्तिजनक बात कही। अब आप भी सोच रहे होंगे कि आपने कौन सी आपत्तिजनक बात कही। आपने डा. राधा मोहन अग्रवाल जी की तरफ इशारा करके कहा ...(**व्यवधान**)... आपने डा. राधा मोहन अग्रवाल जी की तरफ इशारा करके कहा कि एक व्यक्ति से डर कर यहां आ गए। यह आपत्तिजनक है।

प्रो. राम गोपाल यादवः अगर इनको आपत्ति हो, तो मैं विदड्रॉ कर लूंगा। इनको आपत्ति नहीं है।

श्री सभापतिः चाहे इनको आपत्ति हो या न हो, लेकिन मुझे आपत्ति है, क्योंकि यहां का कोई सदस्य डर नहीं सकता और डा. राधा मोहन अग्रवाल तो बिल्कुल ही नहीं डर सकते हैं, पर आपने उस व्यक्तित्व का महिमामंडन किया है। यह आपकी साजिश है। यह सोच समझकर किया है और आपने एक बात की शुरुआत की है कि आपके प्रांत में ऐसी ताकत है कि लोग यहां आते हैं। यही कहा न आपने! ...(**व्यवधान**)...

MESSAGES FROM LOK SABHA

Coastal Shipping Bill, 2025

MR. CHAIRMAN: Message from the Lok Sabha. Secretary-General.

SECRETARY-GENERAL: Sir, with your kind permission, I rise to report that the Lok Sabha at its sitting held on the 3rd April 2025 passed the Coastal Shipping Bill, 2025. I lay a copy of the said Bill on the Table.